

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड  
 पूरक परीक्षा—जुलाई, 2015  
 अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)  
 कूटबंध सं. 2/1, 2/2, 2/3  
 कक्षा XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/ मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
1	1 क	2 क	1 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्वार्थ और संघर्ष (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।)</li> <li>झूठी बातों को सुन कर भी कुछ नहीं कर सकना।</li> <li>क्योंकि कुछ कहने और विरोध करने पर सच बोलने वाले के विरोध में वातावरण तैयार करना।</li> </ul>	15 1
	ख	ख	ख		1+1
	ग	ग	ग		1+1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>समाचार के तीव्र साधनों की सबलता।</li> <li>धैर्य, शांति का अभाव।</li> <li>विरोध करने में अक्षम।</li> <li>कूटनीति, दंगा-फसाद को देख कर चुप रहना खतरनाक।</li> <li>जब हम अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझते।</li> </ul>	2





	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भारत वर्ष की आत्मा कभी किसी दंगा-फसाद और टंटे को पसंद नहीं करती।</li> <li>● अन्याय का विरोध, सच्चाई और भद्रता पर दृढ़ता।</li> </ul>	2
	च	च	च	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संघर्ष से बदलाव संभव।</li> <li>● स्वार्थी व्यक्तियों से संघर्ष कर आम आदमी को हक दिलाना।</li> </ul>	1+1=2
	छ	छ	छ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● ध्यानस्थ रहकर अपने आराध्य का नाम लेना।</li> <li>● लगातार नाम (आराध्य, ब्रह्म) का जाप करना।</li> </ul>	2
	ज	ज	ज	<ul style="list-style-type: none"> <li>● जीवन और मरण — द्वंद्व समास।</li> </ul>	1
	झ	झ	झ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भले आदमी की यह चाल है कि झूठी बातों को सुनकर चुप रह जाए। (अन्य उचित उत्तर अपेक्षित)</li> </ul>	1
2	2	1	2	<ul style="list-style-type: none"> <li>● निर्झर की तरह सतत प्रवाहमान है।</li> </ul>	1
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● मस्ती और गतिवान</li> <li>● सुख-दुख, उतार-चढ़ाव</li> </ul>	1





	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कठिनाइयों और संघर्षों के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना।</li> </ul>	1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● जीवन में सामर्थ्य और पुरुषार्थ ही आगे बढ़ता है।</li> </ul>	1
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● जीवन आगे बढ़ने का नाम।</li> <li>● सुख-दुख जीवन की सौगात।</li> <li>● संघर्ष और पुरुषार्थ के साथ आगे बढ़ना।</li> </ul>	1
3	3	3	3	<p style="text-align: center;">खंड-ख</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भूमिका -1</li> <li>● विषय वस्तु -3</li> <li>● भाषा -1</li> </ul>	5
4	4	4	4	<ul style="list-style-type: none"> <li>● आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ -1</li> <li>● विषय वस्तु - 3</li> <li>● भाषा -1</li> </ul>	5
5	5	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कार्टून द्वारा सरकार तथा तत्कालीन व्यवस्था पर व्यंग्य।</li> <li>● सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्रों में होने वाले कामकाज पर निगाह रखना तथा किसी भी तरह की धांधली का पर्दाफाश करना।</li> </ul>	1×5=5 1 1





ग	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>पूर्णकालिक</li> <li>अंशकालिक</li> <li>फ्रीलांसर (कोई दो)</li> </ul>	1
घ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखा कर खबरों को पुष्ट करना।</li> </ul>	1
ङ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>सनसनीखेज़ एवं किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के मान-हनन के लिए की जाने वाली पत्रकारिता।</li> </ul>	1
—	5	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखाकर खबरों को पुष्ट करना।</li> </ul>	1
—	क	—		
—	ख	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>सरल एवं सहज।</li> <li>आम जनता की भाषाओं के करीब।</li> </ul>	1
—	ग	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>घटनास्थल पर जाकर जानकारी प्राप्त कर समाचार का संकलन करना तथा अखबार को भेजना।</li> </ul>	1
—	घ	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>उदंत मार्तण्ड</li> </ul>	1
—	ङ	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रसार भारती</li> </ul>	1
—	—	(5) (क)	<ul style="list-style-type: none"> <li>संपादन</li> <li>प्रकाशन</li> </ul>	1





	—	—	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>दादा साहेब फाल्के</li> </ul>	1
			ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>1556 में</li> <li>गोवा में</li> </ul>	1
			घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>जिन सूचनाओं या घटनाओं को छिपाने या दबाने का प्रयास किया जाता है उसे गहराई से छान बीन कर उजागर करना।</li> </ul>	1
			ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>मुख्य समाचार को।</li> </ul>	1
6	6	6	6	<ul style="list-style-type: none"> <li>विषय वस्तु— 2</li> <li>प्रस्तुति — 2</li> <li>भाषा — 1</li> </ul>	5
7	7	7	7	<ul style="list-style-type: none"> <li>विषय वस्तु — 3</li> <li>प्रभावी प्रस्तुति — 1</li> <li>भाषा — 1</li> </ul>	5
8	8	9	8	<p style="text-align: center;"><u>खंड—ग</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>घर पहुँचने में देर न हो जाए।</li> <li>क्योंकि बच्चे राह देख रहे होंगे।</li> <li>उनसे मिलने की बेचैनी।</li> </ul>	2×4=8
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>अपने माता—पिता की प्रतीक्षा में।</li> <li>भोजन करने की आशा में।</li> <li>उनसे मिलने की बेचैनी में।</li> </ul>	





	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● रास्ते में कोई व्यवधान न हो जाए।</li> <li>● समय का तेजी से बीतना।</li> <li>● मंजिल मिलने में देर न हो।</li> </ul>	
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अपने बच्चे को याद कर।</li> <li>● अपने घोंसले में जल्दी से जल्दी पहुँचने की इच्छा के कारण।</li> </ul>	
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● धनी वर्ग को।</li> <li>● शोषण करने वाले को।</li> <li>● ऊँचे-ऊँचे घरों में रहने वाले लोगों को।</li> </ul>	
	ख ग	ख ग	ख ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● पंक-कीचड़ , शोषित वर्ग जलज-कमल , शोषक वर्ग।</li> <li>● सामाजिक परिवर्तन शोषित वर्ग द्वारा आंदोलन से होता है।</li> <li>● अत्याचार ,अन्याय तथा हिंसा का शिकार भी शोषित वर्ग ही होता है।</li> </ul>	
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● शिशु।</li> <li>● कठिनाइयों में भी शिशु अनजान बन मुस्कुराता है।</li> <li>● शोषित वर्ग भी कठिनाइयों में मुस्कुराता है।</li> </ul>	





9	9 क	8 क	9 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो।</li> <li>● गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो।</li> </ul>	2×3=6
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सूर्योदय से पहले के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण।</li> <li>● गतिशील शब्द-चित्र।</li> <li>● आलंकारिक वर्णन।</li> <li>● बोलचाल की हिन्दी भाषा।</li> </ul>	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सूर्योदय होने के दृश्य का वर्णन।</li> <li>● सूर्य ऐसे निकल रहा है जैसे किसी ने काली सिल को केसर से धो दिया है। या किसी ने काली सिल पर लाल खड़िया मल दी हो।</li> <li>● नीले आकाश से सूर्य ऐसे उदित हो रहा है जैसे कोई गौर वर्णीय युवती नीले जल से बाहर आ रही हो।</li> </ul>	
	क	क	क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● खरगोश की आँखों से</li> <li>● चमकीली साइकिल से</li> <li>● ये दोनों अपनी <u>सुंदरता/आकर्षण</u> से किसी को भी आकर्षित कर लेते हैं।</li> </ul>	
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● मानवीकरण।</li> </ul>	





				<ul style="list-style-type: none"> <li>● शरद ऋतु डाकिये के समान साइकिल पर सवार घंटी बजाते हुए पुलों को पार करते हुए उत्साह के साथ आ रही है।</li> <li>● बिंबों के माध्यम से सौंदर्य और अनुभूति का सहज प्रकटीकरण।</li> <li>● चित्र-बिंब।</li> <li>● ध्वनि-बिंब।</li> <li>● गतिशील बिंब।</li> </ul>	
10	ग 10 क	ग 10 क	ग 10 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कविता में कल्पना द्वारा उड़ने की सीमा नहीं होती है जैसे ही बच्चों की कल्पना की भी कोई सीमा नहीं होती।</li> <li>● दोनों कल्पना द्वारा कहीं भी किसी समय जा सकते हैं।</li> <li>● संवेदनशील रह कर व्यक्ति को वस्तु के रूप में प्रयोग का विरोध।</li> <li>● बाजार का मुनाफ़े से मतलब लाभ कमाना।</li> <li>● बाजार के पास संवेदना नहीं।</li> </ul>	3+3=6
	ख ग	ख ग	ख ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण।</li> <li>● पक्षी और प्रकृति की सुंदरता की अनुभूति की अभिव्यक्ति।</li> <li>● कवि की भावनाओं का सुंदरता में विलय।</li> </ul>	





11	11 क	12 क	11 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अभिजात वर्ग को।</li> <li>● संसार का वैभव, वस्तु प्राप्त कर भी अतृप्ति।</li> <li>● संचय की तृष्णा।</li> </ul>	2×4=8
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संचय की तृष्णा।</li> <li>● वैभव की चाह।</li> <li>● धन की ओर झुकाव।</li> <li>● संतोष न होना—अबलता।</li> </ul>	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● जिस व्यक्ति में आत्मिक शक्ति का अभाव होता है, वह निर्बल है और वही संतोष के अभाव में धन की ओर झुकता है।</li> </ul>	
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● लालची और अतृप्त होना।</li> <li>● सब कुछ प्राप्त करने की चाह।</li> <li>● आवश्यकता से अधिक प्राप्त करने की इच्छा।</li> </ul>	
	क	क	क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● विमाता भक्तिन से ईर्ष्या करती थी।</li> <li>● उसे भय था कि उसका पति संपत्ति में से भक्तिन को कुछ न कुछ देगा।</li> </ul>	
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● पिता की मृत्यु की सूचना छिपा कर मायके भेजना।</li> <li>● पहना—ओढ़ा कर तैयार कर उत्साह से भेजना।</li> </ul>	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सास द्वारा मायके भेजने पर उत्साहित, खुशी, पिता की</li> </ul>	





				<p>मृत्यु की सूचना नहीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● गाँव पहुँचते ही लोगों द्वारा सहानुभूति के स्वर सुन कर दुखी होना, उत्साह ठंडा पड़ जाना।</li> <li>● पिता की मृत्यु हो गई थी।</li> <li>● विमाता की सहानुभूति न मिली।</li> <li>● आदर—सत्कार मायके में न मिलना।</li> <li>● भक्तिन को उलाहना मिलना।</li> </ul>	
12	घ 12 क	घ 11 क	घ 12 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भक्तिन गुण—अवगुण से अछूती नहीं।</li> <li>● सरल स्वभाव, मेहनती, दृढ़ता।</li> <li>● पैसे को ऐसे सँभालती कि ऐसी विशेषता दुर्लभ।</li> <li>● लेखिका के लिए झूठ बोलने से परहेज नहीं, देहातिन की तरह रहना आदि। (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)</li> </ul>	3×4=12
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बाजार उसके लिए सार्थक जो क्या खरीदना है, वह जानता है।</li> <li>● खरीदने वालों की चाहत से ही बाजार की उपयोगितां</li> <li>● पर्चेजिंग पावर वाले बाजार के महत्व का सत्यानाश कर, उसे विनाशक बना देते हैं।</li> </ul>	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भारतीय समाज में लोक</li> </ul>	





				<p>विश्वास व्याप्त।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● लोक-विश्वास तथा विज्ञान के बीच द्वंद्व।</li> <li>● विज्ञान द्वारा सुख-सुविधा की चाहत, विज्ञान के सिद्धांतों को आत्मसात नहीं करना।</li> <li>● सांस्कृतिक एवं पारंपरिक मूल्यों की अवहेलना।</li> <li>● लेखक विज्ञान के साथ जबकि जीजी लोक-विश्वास के साथ।</li> </ul>	
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● श्याम नगर दंगल में जब चाँद सिंह को पछाड़ा।</li> <li>● राजा साहेब द्वारा पुरस्कार तथा राज-दरबार का पहलवान घोषित।</li> <li>● चारों तरफ चर्चा।</li> </ul>	
	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> <li>● विस्थापन का दर्द जीवन भर चलता है।</li> <li>● राजनीतिक रेखाओं को भावनाएँ स्वीकार नहीं करतीं।</li> <li>● यथार्थ परिस्थितिवश आरोपित।</li> <li>● पुरानी जगहों से लगाव।</li> </ul>	
13	13	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कथन के अनुकूल तथा प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में बच्चों के मौलिक चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन।</li> </ul>	5





	—	13	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● समय का पाबंद होना।</li> <li>● सरल, सहज जीवन, दिखावे से परहेज।</li> <li>● आदर्श को स्थान देना। (अन्य अपेक्षित बिंदुओं के साथ विद्यार्थियों के चिंतन तथा अभिव्यक्ति अपेक्षित)</li> </ul>	
	—	—	13	<ul style="list-style-type: none"> <li>● साहस।</li> <li>● परिश्रम।</li> <li>● बड़ों का आदर।</li> <li>● लगन, कर्म के प्रति समर्पण।</li> <li>● पाठ के संदर्भ में एक-दो उदाहरणों द्वारा स्पष्टीकरण।</li> </ul>	
14	14 क	14 क	14 क	<p>(दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पढ़ाई करने की चाहत।</li> <li>● घर का कामकाज कर स्कूल जाना।</li> <li>● परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाना।</li> </ul> <p>(पाठ के संदर्भ में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)</p>	2X5=10
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● स्त्री का जीवन संघर्षमय।</li> <li>● पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर संघर्ष।</li> <li>● नारी बच्चे को जन्म देते समय पीड़ा व कष्ट सहती है।</li> <li>● पुरुष अपनी शारीरिक क्षमता के कारण स्त्रियों पर शासन।</li> <li>● स्त्री युद्ध लड़ने वाले सैनिकों से कम नहीं।</li> </ul>	





				<p>(अन्य उपयुक्त बिंदुओं के साथ उत्तर भी स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● यशोधर बाबू आदर्शवादी व्यक्ति</li> <li>● यशोधर बाबू का चरित्र समय के साथ तालमेल नहीं बिठा पाता।</li> <li>● बच्चों की सफलता अच्छी भी लगती है और योग्यता पर संदेह भी होता है।</li> <li>● भाव और विचार में द्वंद्व।</li> <li>● आधुनिक मूल्यों को अपनाने ओर छोड़ने में भी द्वंद्व दिखाई देता है।</li> </ul>	
--	--	--	--	---	--



collegedunia.com  
India's largest Student Review Platform





